वर्ष-17 अंक-184 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, शनिवार 08 जुलाई 2023

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कहाँज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात में प्रसारित



RNI N.UPHIN/2007/27090

नगरमा

आप की आवाज्.....

सीएसए किसान मेले की तारीख घोषित, तैयारियां जोर-शोर से शुरू

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा तीन दिवसीय(8-10 अक्टूबर 2023) अखिल भारतीय किसान मेले का आयोजन इस वर्ष 8 से 10 अक्टूबर 2023 तक आयोजित किया जाएगा। कुलपित डॉ आनंद कुमार सिंह की अध्यक्षता में आज कुलपित सभागार कक्ष में किसान मेला सलाहकार सिमित की बैठक का आयोजन किया गया। निदेशक प्रसार डॉ आरके यादव ने बताया कि बैठक में सर्वसम्मित से यह निर्णय लिया गया है। कि आगामी तीन दिवसीय अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का आयोजन 8 से 10 अक्टूबर 2023 तक विश्वविद्यालय के मुख्य भवन के सामने परिसर में आयोजित किया जाएगा। बैठक में किसान मेला के सलाहकार सिमित के सभी सदस्य उपस्थित रहे।



कृषि मंत्री कमल पटेल ने प्रचार रथों को दिखाई हरी झण्डी तीन दिवसीय 30वीं केवीके कार्यशाला का समापन, कृषि वैज्ञानिकों को किया गया सम्मानित

किसान 31 जुलाई तक कराये फसलों का बीमा

भीषात, बुधवार। क्रिक्टर-कल्याम तथा कृषि क्रिक्टर संत्री ही कमल पटेल ने क्रिक्टरी से ३१ जुलई दक अपनी क्रान्तों का बीमा कराने सा जातमान फिल्म है। प्रकान आम बेंचल से प्रधानपेती फसल बीग मोजन के इसा रहीं को होरे इंप्सी दिका कर सान किया। मंत्री की परेश ने क्षात कि एए मधी दर फिली रोजन की जनवारी टेबर कियाने

प्रेरित और प्रोतक्षित करेंगे। मंत्री जी चटेत ने बता कि प्रधानमंत्री भी नोच मोदी के बेदाव हारे के रियो प्रधानवंत्री प्रधान । योजन से लाभावित करने के



बॉस्ट कम्पनियाँ को भारता के हार किय जात है।

का जब की है। अब एक एक

से अञ्चान किया कि गाँव-गाँव आहे करने प्रचल नहीं से प्रचल नमें हो प्रेश रे बहाय कि करोड़ 14 शाख किहानों को जीनागीयन की हमुचिर नारका

किसानों से वर्ष 2016 से उन प्रधानमंत्री फसल बीटा मीन वार्ग हार कार 51 जुलाई से पूर्व अपने तक मात्र 5 जनार 130 करीड़ 27 जनार 526 करीड़ 60 लड़क क्यालों का बीचा कार्म औ ते हैं। फरानों के बीच के देखें करने में एति प्रीपियम के कर करनों की दान एति का बनातर भी नव मा लाभ राजरें सीएसए के छात्र ने यूपी बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा

2023 में प्रदेश में हासिल किया द्वितीय स्थान कुलपति ने छात्र के उज्जवल भविष्य हेत् दी शुभकामनाएं

हर्व प्रीक्षिरिको विकायकार कालपुर हे. इसरहरूरी भूति प्रस्ताः विका हे लंदिय यमें के जब राहुत कुगार ने जनर प्रदेश बीएड संयुक्त प्रवेश गरीका 3023 में पूरे प्रदेश में द्वितीय स्थान लिकार कवि प्रकार व पी पन





वे पान्यम से एएएएसी कृषि प्रचार किया में इनेत लिया । सभी प्रभागे के खलील बाह ने बताय कि जार पहुल के कित का तम की प्रमोद जुमार है और पेरी से

ने बतायां को जूषि को पुरतकें पहचा तरकर तरिक हैं तथा महिला में एक रिशाय के प्रण में चेन्द्र देख चन्नते हैं। सात्र राष्ट्रभ की संस्थान पर विश्वविद्यालय से सुलावीर श्री आर्थेट मुनार सिंत में सब्द के उञ्चवता गतिष्यहेत् मुभवाग वर्षे

असिंचित क्षेत्रों में मोटे अनाज सांवा की वैज्ञानिक खेती : डॉ राजेश राय

डीधोरिक विश्वविद्यालय कार्युर कृतचीर डीक्टर कार्यंट कृत्या भित्तं हार जो भिर्देश के अस में जान दिश्लेस 05 तुनाई 2023 मी विज्ञानकार के आयोग संवर्धना सुधि विज्ञान के आयोग संवर्धना ਹੈਂਦਾਵਿਕ ਦੀ ਸਬੱਦ ਸਭ ਤੋਂ ਬਾਸਦ ਵਿ योरे जनहीं में धीन का पहलक स्वतः है। यह भाग भी एक प्राचीत र्धीया का उपयोग भावत की राज को स्त्रीर क**र्द्र** जात में स्त्रामी जाती है। चार पसुनों को बहुर (सन्द हैं। इसमें चावल की नुसन में रुपिक गोपन गठा बावे जाते हैं। दों



एव रेगा. माज में पारपतित्व पान करते हैं। हारके विशव बाह्य हो पर वा होना सिट्टी जिसमें पत्रीत माज में पीयक तत्त्व ही, सर्वाचिक तप्पृक

मानसून के आरम्भड़ीने के सबड़ी इसकी कुनाई कर देनी चाहिए। इसके बुवार्ड किट्नार्व विशेष से या बहुदें में 3-4 सेमी, की गहराई में की जारी है। राजीने बहासा कि इस का भीज प्रति हैकी मा 6 से 10 विश्वतः गुपतारामुक्तः कील पर्वतः होताः है। इस की ठलठशील प्रभावितां री-४६, अवां पी-१४० पू भी दी-क, नर्ता भी प्रा

इति हंस्टेपा की दर में कम्बोस्ट क्टल तीर में मानकूत के बाद क्षत्र वात च गानकूत क चन् कहती जुताई के घमन मिलाक लाभकारी होता है। गमनन, काम्बरोरस व गोटाश की साब क्ष्मारमञ्जूषा विकास अधि हेम्बरेगा ठलाहर परिचान बेहतर प्राप्त हो जाते हैं ठलीने कहा कि जब वर्ष ाध्ये प्रमाय तक प्रत्य गयी हो. ते प्रिकृति अवकारक को जाते हैं

खरपरवार निमंत्रम कुर्वा ने 30 में 35 दिन कहा खेट ना (दित होना चाहिए) नियदं-गुद्धा हार बारपाला निर्माण के भाव का संचार होता है विश्वमें उठ हूं। तक फैलकर मीन्य गलबें एकर कर चीचीं को देशी हैं। सम्म के निर्मि-पुर्मे १५-१६। के अन्तराल पर मधीर है।

दूध को विषैला करने के साथ ही मवेशियों एवं मानव स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव डालता है ऑक्सीटॉसिन इंजेक्शन : डॉक्टर पीके उपाध्याय

स्वास्त्य पर दुक्तवर्थ सलक है जोक्पीटॉफ्ट (विकाय विषय ए विचार से वास्थारों सन्न हैनेक्सन तथाकर द्वार निकातने हैं की द्वाराध्य प्रदानी मूर्व सानव

तगर्ने से दूध अत्यादन में कृद्धि हो जाती है : केन्सत जायन से दूध नाली शहर का जात है। उन्होंने बावया कि इंबेक्शन द्वारा करना से सरीर में लोक्योटॉप्टन टेरे से ठाँग में हामीन जोगीकि माबा में तो जात है। निपत्ते दुपारः पट्टलों में दुष्पन्यन पदत है जैसे पतु ली।-पीरे बांस हो बात है पूर्व गर्मित पत्तु में चन्न गिरम, पत्तु कर बार बार गर्मी में आना विकित्स गर्थशारण न काना, प्रजनन अंगों में हुम्मभाव पहला, बालोदानी का बहार निकल आहे आदि समस्यार्थ उटका हो आही हैं। की रायागाय



कि तमारे देश में ऑक्सोडॉसन इंजेक्शन पूर्ण कर से अतिबंधित कि ना नुका है। बानुसे ही। या इसका प्रयोग देहतीय जगाय है जो कि प्रमुक्तात रोकासम् अधिनियन के अंगोज आज है। हो उपारकार ने पतुत्तालकों को सताह दी है कि दुशाय पशुनों से स्वान दूध लगाउँ के लिए पशुलों को संदुर्तिक सर्व स्वारिक लगार कितार, प्रस्ता कि भार दुआर एवं भगमुण वाक्रवाण में रखकर ओक्सीक्रीयन से मुख दुध प्राप्त को डिक्समें दुध उपनीय करने खले जानियों की साम्य एवं सनेवा बीन्तरियों से सुरक्षित रक्ष समन्ते हैं। तथा पशुचन का स्वास्थ

न्यापुरः च्यापादः स्थानादः कृषिः एवं जीधोरिको विश्वविद्यालयः ने भागा कि प्रयुक्तकों को लागरणाई के कारण प्रयुक्तियोगं हो कानपुरं के कुलबंधि द्यांकाः नानदं कृपार चित्र द्वारो को नावी विदेश के काम में अन्य प्रयुक्तकः नोर्ग दुश्य विद्यान विभाग के और्पादाः द्वारो के जानमान ने दूश को विवेत्ता करने के प्राव सर्वेतीरमें इसं नानवः द्वार तम्बदानं दूश विन्यतन्ते रहते से द्वार में अधिकार के स्वास्थ्य पर दुश्यविद्यालय स्थानक है

ध्यास्य मा द्वापना महिल्लामें में बोधान बान्सें में दृष्टि दोष की

रहे हैं। शिवशिदालय के प्रथला ने

सारकोत्तर दिप्तांगा में कम्यू किया विकास इन हीं तम की हो की वा विकास इन हीं तम और ही तम हिंदी होतालेश की में विद्यान किए काही। इन दोनों किलीम की ही भी तमीप एक एक वर्ष भी

होगी, जिसमें 20 सीटें अठि किप्लोमा कोर्स तम की गई हैं। वैशेष कोसंचे भी व्यवसायन प्रकार

किए बाएँगे, बिजर्मे 10 सीटें होगी। इन्स्टूब निर्दाणी ॥ जुलाई रक बन्दुनिकेशन स्थित इर इंटिस्स , इंग्लिक-सिटी इसिलेशन व निर्माट क्रीको अर्थन परित्र में प्राप

भेरित के साध्य पर किए आएंगे। उन्होंने कशाया कि तन्त्रीत्रे वशासा कम्युनिकेशन विकास विकास इन इंग्लिंग, इंग्लिश-शिंदी होसलेशन किन्त्य किन्द्रिय होगी, लिएनी हिंदी व अंग्रिजी पाषा या प्रकाह और ज्यादा मजबूत होगी । इससे बनु। फारवा यह है कि जिह्याविंगी को इन किलीमा करेंग्रे से अपने भवित्रम को संवापने में महर

विकास प्रोडाम में कस्पूर्तिकेतल विकास के शिला, रिनेता विधे द्वेतरोका और स्मिट विभिन्न सेरास admissions. तिए गर्गामस्य अपरेट रेत आने विश्वविद्यालय को वेबजाइटी नैसं fix with hau.ac.in

favore siled wit soult outlike हिंदू विश्वविद्यालय अनुसार जे बिन्य गया। विसम्बद्ध ३ जुल्हा को समापन हुन्छ। समापन स्थासा रा सुध्य आविषि ग्रांग प्रदेश कृषि सान्यंचान प्रशिष्ट के महानिरोतक दी संबंध मिहे ने किसमी की आप नहाने की कृषि विविधीकाण में इसहनी, सिसहची एवं धोटे अधान ने

विज्ञान केंद्री में खोगोड़ी कृषको एवं मुक्तन गरिलाओं के उत्पादी को सिंह ने उठकूर उस्तुति करने वाले अयम को । भूषि विज्ञान मेंडी भी अवस्थि दन किया गया।

प्रोत्कार एवं मूल्य प्रायक्षेत्र के शित्र मीजीव किन्त वस्त्रश्रास्त्रात्र एवं केंद्रीय कृषि विकासिकारण देश्तः प्रम्मानिक मिन्छ । कार्यकारमा में कृषि विद्वान केंद्र िकात के कुछापति को अनुपन मिक्रा ने कहा कि जुसक देश के करागकों को संस्ट आर्थिक रिपोर्ट प्रेजेटेशन एडाई हिया गया। जबकि भविष्य हैं। स्ताः प्रवर्तन हेर् हितीय केंग्रह वर्गीयक रिकेट के बेटिशन

केबीके सहारमुप्त बेस्ट नेकुम्स पार्मित प्रीतेबर वर्ष केबीके जनसङ्ख्या वर्ष वेत्रांचे लक्षण यूर्व बेस्ट निवस अप्रका पर मध्य आर्थिए में संस्थ - प्रोतेक्ट अर्ज - नेजीने - सरवाप प्रथम की पुरस्कार से सम्मानित

काईप्रीप्तार को दिलों के पूर्व एप पाठ विदेशक प्रसार खेंबरा थी दास ने लीड श्लीकर के रूप में लगरे शोध गत्र की प्रस्तृति दी। क्रेंत कल पर्व चन्द्र शेवर वी नात के बारे में नतावा सची अतिविधी को धन्यक्षद सं

इस अवधाः पर निरोतक अधाः जी आरके चराव, जी प्रस्कृत सिंह जेंगा लाके मीतक, ही गाउँ।

जल संरक्षण एवं जल प्रबंधन अपनाकर वर्षा जल का करे बेहतर संरक्षण : डा. आनंद कुमार सिंह

कारपुर के कुलपीर डॉक्टर आवंट कुलार सिंह ने कहा कि हम्यार देश एवं प्रदेश कृषि लक्षानित है जान भी 70 प्रतिशत जनसंख्या कृषि पर नुबल के भारत है। इसके दिन्द हमें धकरी पहले वर्ष जल को संदर्शन त्रे भूगभे जल बदाने हेतु रिन्हाने बदाने जल स्त्रीमी कर पुनरद्धार करना होना क्योंकि गह घटन है कि किन गानी राज सून रहना प्रदेश में आगा।

मैनपुरी, मेरड, मूजपण्डयना, प्रकारकूर ,मामली, प्रेमल, सम्मोहर, जीनपुर, जबपण्ड, कानपुर नगा पूर्व वसनपुर रेहा। सारि वनकरों में भू जात ग्रांकर नत की धमाना को कहाब

स्पादन एवं समापनता बद्धाने

जबान देशी अवस्थित के



ता है परंतु वरि हम खेती की ऐसी तकशीको प्रबंधन अपराद नाई २० ४ वर्षु चर्च स्वाया का दूसा का नक इक्स कर कर है। कत्याड़ के लिए मंदिरणा हो वो जा को मातालक एवं गुराशक में का हुसार होगा कमी पेस में न्यायहा स्थितां दूब प्रपाल के करव जाते में (किटोपता कही जोतें) में खेतीं को लवालक पर दिशा जात विसे को बनी देने हेंतु हिए एवं स्थिकता प्रपाली को समानक हम हुए मोर ऑप को सिद्ध का एकते हैं। वो सिंह ने नहां कि कम 1 चहने वार्ड करानों को बहुना देने की लगरपकत है। ऐसी प्राप्त प्रण्यानी अपन्यात होगा कि खेर की नभी का पूर्व उपधीन ही और का गानी को खेल में तीका जा सके। गति व खेल के लालाकी की इस लावक बनान होना कि जामी शुक्रप्र होने बाला भागी छोड़िए बमा रहें। जुला - जागल - जिलेका में वर्षों कल के छोड़का प्रबंधन की का

भाव भी लागीविका मुख्य स्वयन वहां की गल क जानवर् पा रिप्पेर हैं।प्रजृति बा स्वरूप विज्ञत हुन्त हैं। जारिक न्यवार्य करूप कर जाता है जिस होता है। इस है है है है है के का जुरू हो, उस है, ऐसा प्रची देश जाता है से साराम बजे है है हमें 2 मान जुरू हो, उस है, प्रितंत्रा में जाता सीसाम एवं रिचार्च के प्रचीन की अपनान होता जो जाते ही उस वर्ष की हर चूंद की जाने खित केश जाता होता हो है प्रितंत्रा करने कर प्रचेशन अपनान होट्य (हमारा विवक्तितान कहा एवं भूमि संस्थान के कारण, जयन होतु हुए संकतिनात है। उन्होंने किस्तन भाइतों से समीता को है कि जो जात हमारे पास अस्तानत है कि होने किस्त नत सर १८ प्रतिस्त राम्योग मुख्ति कार्य में होता है। असा हमारी किस्त्रेदारी भी अस्तित है कि क्षा जा के हरिक्षा के साथ-साथ जात के अवस्त एवं सिन्दर्भ दक्षण अधनाय होगा । जल संरक्षण हेतु अवसीनी प्रयोधन त्वी फसलों भी करई के बाद खेत भी रहती सुराई करना, करी मेर्ड् न को जानता ना कराइ के बाद प्रवा को कार प्रता की वहां कराई करी कर्य को बोचना, होने क्षण को बुचनें ज़ादि करने के धाव जनता धावण हेंदु मोटे एंड डोटे की जा प्रवंपन लगाना होना किया में डोटी में इस्ति के स्वाप्त प्रता ज़ानित के प्रतिज्ञा से अधिक जात असावह के प्रवंपन सरी न होने पर भूरित होती है। गर्कदन में पर्यात्तव से जुड़ी राजें समस्याओं में से भारत के लिए प्राम्ये जिंद्यन्तक एवं चुनीटीपूर्व में करा कर प्रमाना गर्व 2000 तक और चली की कंपी कर प्राम्यत करना पढ़ पकला है। चीती में बल प्रयंपन में क्षेत्र आपटीड जल की ट्यान्क्यडा विशेष करतामु की तिनोष प्रसान पद्धति सूच्य शिक्षां, टच्य सिंगां व बीक्षार्ट वर्गे अपन्त होगा। किस्में हर बूंट पत्नी कर प्रयोग होता है। उन्होंने बता देश में उन्ह जी कमी से लांधक जल के प्रवंचन को लांकायकता है जिसको हमा जुलि विश्वान नेंद्र व किसीवासका गांव-गांव, खेव-खेक जब जबनील . हुंबर्न में कार्य का रहे हैं । यह बुलाई-स्थात-दिवंबर के 50 दिन क अंधर भूजत रता की क्रमा उन्हें सकत है । विवास ४म कार्य नारा में पात पीने का पानी कम नहीं होगा। तातक, पीका भी, पूरी खेटी में क्यों प्रीटीमा क्षेत्री गर्दि 3 मात अंत पीकांत पर सार्क शक्क है पांदे हुए क्यों कल की क्षेत्रीस्त कर ते तो पूरे टेक-क्षेत्र में कलावार मचूरे के प्राथ-पांच कर उपसम्बद्ध सुनिक्षित होगी।

बदलते मौसम में मतस्य पालन के लिए तालाब प्रबंधन

हि यून प्रीयोगिको विक्रियाल क्षानपर के अधीन प्रोक्षतिक मठा मार्गिकाला मूर्व क्षेत्र 🕏 मार्ग विशेषह हो। पन सुमार सिर प्रवापनी नहीं करने हुए बवाया है कि इस समय प्रयोज का मीक्रम करा रहा है जिससे बहुत से तालामें में यहां के पानी के सब साथ नाले , नहरीं ,नरि



मीधन में बादात क्रम रहने से शालाब । जाती हैं र चंकि इस समय उद्दर्शन सी

के रिया, प्रधानकों का संबंध करते हैं से प्रजनमाँ को मोनन देन बंद कर दें विधासे उनके प्रजनन में विकास का बहु सके । साथ ही व (म) कावण अनियमितता दिखा बर्जाक्षीय उत्तव विभिन्न प्रकार के अध्यक्ति हो जाती है । विकास उत्पदन प्रश्ने सर्वानकों को ऐसी है

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में डिग्री पाठ्यक्रमों के साथ स्त्रातकोत्तर डिप्लोमा में भी होंगे दाखिले

परम सिंह हरियाण कृषि विश्वविद्यालय,हिस्सा श्रीक्षणिक एव ३०२३-२५ में विशेष्म स्वातक व सारकोत्तर कोसी के रहथ होन जातकोत्तर दिष्टीमा कोशी में भी दार्शको वर्तमा इसके दिन्द् ऑनलाइम अववेदन अवनिवर्ग किए,

आज इस संबंध में जनकारी देते हुए कराया कि जागानी ग्रेशणिक त्र के रित्र विश्वविद्यालय में मीरिक विज्ञान एवं मानविकी

2627 2621 RNI. NO. UPHIN/2007/20715

लखनऊ एंव एटा से प्रकाशित,

शनिवार, 08 जुलाई, 2023

पुष्ठ: 8

मूल्यः ०

कृषि विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय परिसर में हुआ वृहद वृक्षारोपण



(अनवर अशरफ) उत्तर प्रदेश की राज्यपालध् कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल द्वारा प्रदत्त निर्देशों के अनुपालनार्थ एवं विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के कुशल मार्गदर्शन में दिनांक 01 से 07 जुलाई 2023 तक वृक्षारोपण साप्ताहिक कार्यक्रम की शृंखला में वि. वि.के केंद्रीय पुस्तकालय परिसर में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम चलाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनन्द कुमार सिंह ने बताया कि पर्यावरण को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाने के लिए वृक्षारोपण अत्यंत ही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण कार्यक्रम आज के परिवेश में जनांदोलन बनाने

की जरूरत है। इसी परिपेक्ष में विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों द्वारा लगातार जनजागृति अभियान चलाया जा रहा है।उन्होंने कहा जितनी ज्यादा हरियाली होगी उतना ही अधिक स्वच्छ व स्वस्थ वातावरण होगा। कुलपित ने कहा कि पेड़ों से हमें विभिन्न प्रकार के फलों और सब्जियों की प्रचुरता प्रदान होती है। और वातावरण में नमी के स्तर को नियंत्रित करते हैं। तथा मिट्टी के कटान को रोकने में भी सहायक है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण में बढ़ते प्रदूषण की वजह से वृक्षारोपण की आवश्यकता इन दिनों अधिक हो गई है।डॉ सिंह ने वृक्ष पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने के लिए अधिक पेड़ लगाने और जंगलों के निर्माण या कम से कम शेष जंगलों को जीवित रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण सुनिश्चित करता है कि वन्यजीवों के लिए पर्याप्त वन विकसित किए जाएं तािक वन्य जीव विलुप्त न होने पाए। इस वृहद वृक्षारोपण के अवसर पर प्रभारी केंद्रीय पुस्तकालय डा. सीमा सोनकर सिहत संकाय सदस्यों सिहत अन्य लोग उपस्थित रहे।



शाश्वत टाइस्स



सीएसए किसान मेले की तारीख घोषित, तैयारियां जोर-शोर से शुरू

शाश्वत टाइम्स कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा तीन दिवसीय(8-10 अक्टूबर 2023) अखिल भारतीय किसान मेले का आयोजन इस वर्ष 8 से 10 अक्टूबर 2023 तक आयोजित किया जाएगा। कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह की अध्यक्षता में आज कुलपति सभागार कक्ष में किसान मेला सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया गया। निदेशक प्रसार डॉ आरके यादव ने बताया कि बैठक में सर्वसम्मित से यह निर्णय लिया गया है। कि आगामी तीन दिवसीय अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का आयोजन 8 से 10 अक्टूबर 2023 तक विश्वविद्यालय के मुख्य भवन के सामने परिसर में आयोजित किया जाएगा। बैठक में किसान मेला के सलाहकार समिति के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

कृषि विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय परिसर में हुआ वृहद वृक्षारोपण

कानपुर (नगर छाया समाचार)। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल/ कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल द्वारा प्रदत्त निर्देशों के अनुपालनार्थ एवं विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के कुशल मार्गदर्शन में दिनांक 01 से 07 जुलाई 2023 तक वृक्षारोपण साप्ताहिक कार्येऋम की श्रृंखला में वि. वि.के केंद्रीय पुस्तकालय परिसर में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम चलाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनन्द कुमार सिंह ने बताया कि पर्यावरण को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाने के लिए वृक्षारोपण अत्यंत ही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण कार्यक्रम आज के परिवेश में जनांदोलन बनाने की जरूरत है। इसी परिपेक्ष में विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों द्वारा लगातार जनजागृति अभियान चलाया जा रहा है।उन्होंने कहा जितनी ज्यादा हरियाली होगी उतना ही अधिक स्वच्छ व स्वस्थ वातावरण होगा। कुलपति ने कहा कि पेड़ों से हमें विभिन्न प्रकार के फलों और सब्जियों की प्रचुरता प्रदान होती है। और वातावरण में नमीं के स्तर को नियंत्रित करते हैं। तथा मिट्टी के कटान को रोकने में भी सहायक है। उन्होंने



कहा कि पर्यावरण में बढ़ते प्रदूषण की वजह से वृक्षारोपण की आवश्यकता इन दिनों अधिक हो गई है।डॉ सिंह ने वृक्ष पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने के लिए अधिक पेड़ लगाने और जंगलों के निर्माण या कम से कम शेष जंगलों को जीवित रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण सुनिश्चित करता है कि वन्यजीवों के लिए पर्याप्त वन विकसित किए जाएं ताकि वन्य जीव विलुप्त न होने पाए। इस वृहद वृक्षारोपण के अवसर पर प्रभारी केंद्रीय पुस्तकालय डा. सीमा सोनकर सहित संकाय सदस्यों सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।



क भार

किसान मेले की तारीख घोषित, तैयारियां जोर-शोर से शुरू भास्कर ब्यूरो

कानपुर। सीएसए द्वारा तीन

दिवसीय (8-10 अक्टूबर) अखिल भारतीय किसान मेले का आयोजन इस वर्ष 8 से 10 अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा। कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह की अध्यक्षता में आज कुलपित सभागार कक्ष में किसान मेला सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया गया। निदेशक प्रसार डॉ आरके यादव ने बताया कि बैठक में सर्वसम्मित से यह निर्णय लिया गया है। आगामी तीन दिवसीय अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का आयोजन 8 से 10 अक्टूबर तक विश्वविद्यालय के मुख्य भवन के सामने परिसर में आयोजित किया जाएगा। बैठक में किसान मेला के सलाहकार समिति के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

हिंदुस्तान कीनंपुर 08/07/2023 सीएसए में किसान मेला अक्तूबर में लगेगा

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्याल्य (सीएसए) में अखिल भारतीय किसान मेला का आयोजन ८ से 10 अक्तूबर के बीच किया जाएगा। विवि के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई किसान मेला सलाहकार समिति की बैठक में यह फैसला लिया गया। निदेशक प्रसार डॉ. आरके यादव ने बताया कि तीन दिवसीय मेला में कृषि उद्योग प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जाएगा।

Scientists exhorted to monitor, maintain moisture of soil

PIONEER NEWS SERVICE | KANPUR

Trice-Chancellor of the V Chandra Shekhar Azad University of Agriculture and Technology (CSAUA&T), Dr Anand Kumar Singh, while inaugurating the tree plantation drive on the varsity campus on Friday said it was highly essential to plant more and more trees. He said today there was a need to make tree plantation a 'ian andolan' (mass movement and thus the varsity was constantly oraganising workshops and awareness programmes at Krishi Vigyan Kendra. He said the more the trees and more the greenery the more healthy the environment. He said trees provide the most essential and vital element that was oxygen and also provided fruits and vegetables. exhorted the scientists to monitor and maintain moisture of the soil. He said the scientists need to make the farmers aware that it was essential to prevent soil erosion. He made a fervent appeal to the people that one should make effort for increasing forest areas or at least they need to prevent the decrease in forests. He said more and more forests need to be developed or else species will become extinct. He said



deforestation affected animals in many ways as it caused habitat destruction, increased risk of predation, reduced food availability and much more. He said as a result, some animals lose their homes, others lose food sources – and finally, many lose their lives. He said in fact, deforestation was one of the main causes of extinction.

Dr Singh said forests not only in India but around the world were under threat, jeopardising these benefits. He said the threats manifested themselves in the form of deforestation and forest degradation. He said we need to plant four billion trees per year for the next 10 years just to compensate for the deforestation that had occurred in the last decade. He said "Trees are at least 100 times cheaper than the next best solution to store carbon". Dr Seema Sonekar and several others took part in the tree plantation drive.

RESCUED: As part of the drive launched against child labour in the city Divisional Commissioner Lokesh M, swooped down upon an automobile shop and rescued a 14-

year-old boy where he was employed. The child was freed from his employment and the shopowner warned. He then directed officials to take legal action against the shopowner for employing a minor child which was banned. The child was brought home and handed over to parents with a warning that they will not make him work but send him to school. The DC issued directives to the Labour department officials to ensure they launch a hunt for child labourers below 14 years of age. He directed them to ensure legal action against their employers and adopt the zero tolerance policy and take strict action against all such employers. He directed the officials to ensure they set up team which will move to monitor all such child labourers working in petty vends and roadside dhabas. The Commissioner said the mission to end child labour cannot be ended without the support of masses. He said no child under 14 years can be employed either at home or any commercial establishment. He warned the monitoring teams that laxity in this case will not be tolerated. He said not only in Kanpur but hunt for child labour will be launched in the entire division.